भारत जोड़ो न्याय यात्रा

न्याय का हक़ मिलने तक

भारत जोड़ो न्याय यात्रा क्यों?

आर्थिक न्याय

बेरोज़गार युवाओं, कर्ज़ में डूबे किसानों और महंगाई की मार के बीच पढ़ाई, कमाई और दवाई के लिए संघर्ष करते गरीबों के साथ न्याय।

भारत रोज़गार संकट से जूझ रहा है जहां इंजीनियर कुली का काम करते हैं और पीएचडी धारक चपरासी पद के लिए आवेदन देते हैं। हमें यह सुनिश्चित करना है कि हर स्वप्नदर्शी भारतीय युवा को उसकी आकांक्षाओं और कौशल के अनुरूप रोज़गार मिले।

जब प्रधानमंत्री देश की संपत्ति अपने करीबी दोस्तों को सौंप देते हैं, तो गरीब और गरीब हो जाते हैं और मध्यम वर्ग को अपनी बचत खत्म होती नज़र आती है। हमें सभी के लिए आर्थिक न्याय और शिक्षा, आजीविका और स्वास्थ्य का मौलिक अधिकार सुनिश्चित करना है।

एक ओर जहां किसान और खेतिहर मज़दूर कर्ज़ में डूब रहे हैं, वहीं मोदी सरकार अमीरों का कर्ज़ माफ कर रही है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक किसान को उसकी उपज का सही दाम मिले और वह भी भारत की प्रगति के लाभार्थी बन सकें।

मोदी सरकार का कुछ ख़ास 'बड़े व्यापारियों' को समर्थन होने के कारण भारत के छोटे व्यवसाय पीड़ित हैं। एमएसएमई को आर्थिक सहायता, प्रौद्योगिकी और बुनियादी संरचना तक बेहतर पहुंच के माध्यम से बढ़ने और रोज़गार पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करना है।

सामाजिक न्याय

वंचितों के अधिकारों और बेटियों के आत्मसम्मान के साथ न्याय

“बेटी बचाओ" जैसे खोखले नारे दे कर महिलाओं पर अत्याचार जारी है, कारण सरकार द्वारा लगातार अपराधियों को संरक्षण देना और पीड़ितों को कठघरे में खड़ा करना। हमें हर क्षेत्र में महिलाओं के लिए सुरक्षा और समान भागीदारी सुनिश्चित करनी है।

एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों को वंचित रखने का क्रम लगातार जारी है, और हमारे देश के संस्थानों में उनका प्रतिनिधित्व बेहद कम है। न्याय का मतलब है उनकी गिनती करना और समाज में उनकी भागीदारी को निष्पक्षता से मापना।

नफ़रत और हिंसा की राजनीति ने हमारे देश के सामाजिक ताने-बाने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर एक गहरी चोट की है। हमें भारतीयता को संरक्षित करने के लिए एकता और सद्भाव को बढ़ावा देना है।

राजनीतिक न्याय

स्वतंत्रता, समानता और मानवीय गरिमा के आदर्शों के साथ न्याय

आज मोदी सरकार ने हमारे देश में शक्ति संतुलन बनाए रखने वाली सभी संस्थाओं को कुचल दिया है। हमें बाबासाहेब अम्बेडकर के संविधान को सुरक्षित और संरक्षित करना है, जो हर भारतीय के लिए न्याय, गरिमा और सम्मान सुनिश्चित करता है।

भाजपा ने राज्यों की इच्छाओं की अनदेखी कर और राज्यपाल के पद का दुरुपयोग कर हमारे संघीय ढांचे को नष्ट कर दिया है। हमें अपने संघीय ढांचे को बचाना है, जो लोकतंत्र की रक्षा करता है और हमारे राज्यों की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और भाषाई विविधता को संरक्षित करता है।

भाजपा ने पंचायतों और नगरपालिकाओं को संसाधनों से वंचित कर सत्ता का केन्द्रीयकरण कर दिया है, जिसकी वजह से जनता अंजान प्रतिनिधियों और अधिकारियों पर निर्भर है। हमें स्थानीय सरकारों की मजबूती सुनिश्चित कर निर्णय लेने की ताकत फिर से आम आदमी को सौंपनी होगी।

शुरुआत
14 जनवरी मणिपुर से

---

66 दिन
6713 कि.मी.

समापन
20 मार्च मुंबई में

---

110 ज़िला
15 राज्य

आप कैसे भाग ले सकते हैं?

- यात्रा का हिस्सा कोई भी बन सकता है, यह सभी के लिए है
- यदि आप यात्रा मार्ग के नज़दीक रहते हैं तो आप आसानी से काफिले के साथ चल सकते हैं
- bharatjodonyayyatra.com
  पर रजिस्टर करके न्याय योद्धा बनें या
  9891802024
  पर मिस्ड कॉल दें
  और न्याय की इस लड़ाई में भाग लें
- हमारी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म द्वारा यात्रा से डिजिटल मध्यम से जुड़ें और यात्रा का संदेश फैलाने में मदद करें
  bharatjodo
  BharatJodoYatra
- donateinc.in
  पर जाकर 'डोनेट फॉर देश' पहल में योगदान देकर भाग लें

आपके साथ यात्रा में कौन भाग लेगा?

- श्री राहुल गांधी सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूरे भारत के राजनीतिक दलों के नेता।
- सामाजिक कार्यकर्ता, कलाकार, बुद्धिजीवी, अन्य प्रतिष्ठित लोग और साथी भारतीय जो न्याय के लिए लड़ रहे हैं

डोनेट फॉर देश

रूट मैप

भारत जोड़ो न्याय यात्रा

मणिपुर से मुंबई

14 जनवरी से

राज्य	दूरी (किमी)	दिन	जिला
मणिपुर	107	1	4
नागालैंड	257	2	5
असम	833	8	17
अरूणाचल प्रदेश	55	1	1
मेघालय	5	1	1
पश्चिम बंगाल	523	5	7
बिहार	425	4	7
झारखंड	804	8	13
उड़ीसा	341	4	4
छत्तीसगढ़	536	5	7
उत्तर प्रदेश	1,074	11	20
मध्य प्रदेश	698	7	9
राजस्थान	128	1	2
गुजरात	445	5	7
महाराष्ट्र	479	5	6
कुल	6,713	66	110

यात्रा मार्ग
प्रमुख स्थान

न्याय योद्धा बनें

9891802024

पर मिस्ड कॉल करें